

## **Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)**

**unfoldingWord® Translation Words** © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

## मुख्य शब्द (अनफोलिंग वर्ड)

### स

संत, संबंध-जानें, संयम, संसार, सताना/सताव, सद्रुकी, सदोम, सनातन, सनौबर, सनौबर, सन्हेरीब, सपन्याह, सप्ताह, सब्ब, समझना, समय, समर्पण करना, समाचार, समुद्र, समृद्ध होना, सम्मति, सरकंडों का सागर, सर्प, सर्वशक्तिमान, सहन करना-के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना, सहना, सहभागिता, साइप्रस, साथी, सादोक, सामरिया, सामर्थ्य, सारा, सिंहासन, सिंहों, सिदकिय्याह, सिद्ध, सिय्योन, सिय्योन की बेटा, सींग, सीदोन, सीनै, सीरिया, सीलास, सीहोन, सुक्कोत, सुलैमान, सुसमाचार प्रचारक, सूअर, सूबेदार, सृजन करना, सृजनहार, सेईर, सेनाओं का यहोवा, सेनापति, सेराफिम, सेला, सेवक, सेवा करना, सेवा करना, सेवा करना, सैनिक, सोअर, सोता, सोना, सोर

### संत

परिभाषा:

शब्द "संत" का शाब्दिक अर्थ है "पवित्र लोग" और यीशु में विश्वासियों को संदर्भित करता है।

- कलीसियाई इतिहास में, आगे चलकर भले कामों के लिए प्रसिद्ध मनुष्य के लिए "संत" शब्द का उपयोग किया गया है लेकिन यह शब्द नये नियम के समय के दौरान ऐसा इस्तेमाल नहीं किया गया था।
- यीशु के विश्वासियों को पवित्र जन इसलिए नहीं कहा गया है कि उन्होंने अच्छे काम किए परन्तु मसीह यीशु के मोक्षक कार्यों में विश्वास करने के कारण उन्हें पवित्र जन कहा गया है। वही उन्हें पवित्र बनाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "पवित्र जन" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पवित्र" या "पवित्र लोग" या "यीशु के पवित्र विश्वासी" या "पृथक किए गए लोग।"
- सावधान रहें कि इस उक्ति द्वारा किसी समूह विशेष का भाव व्यक्त न हो।

(यह भी देखें: पवित्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 तीमुथियुस 05:9-10](#)
- [2 कुरिन्थियों 09:12-15](#)
- [प्रका 16:4-7](#)
- [प्रका 20:9-10](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2623, H6918, H6922, G40

### संबंध-जानें

परिभाषा:

इस अर्थ में उपयोग शब्द "जानना" और "ज्ञान" और "जानते थे" का अर्थ किसी व्यक्ति के साथ संबंध में होना है।

- परमेश्वर को "जानने" का अर्थ है उनके साथ संबंध बनाना। यह लोगों को जानने पर भी लागू होता है।
- मत्ती 7:23 में यीशु ने कहा कि न्याय के दिन वह कुछ लोगों से कहेगा, "मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना"। "मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना" कहने से उनका मतलब है कि वह कभी भी उनके साथ व्यक्तिगत संबंध में नहीं था।
- "परमेश्वर का ज्ञान" कभी-कभी "यहोवा के भय" के पर्याय के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- जब एक पुरुष और एक महिला के संदर्भ में "जानना" का उपयोग किया जाता है, तो यह अक्सर यौन संबंध बनाने का एक उपमा होता है।

#### अनुवाद सुझाव

- संदर्भ के आधार पर, "जानना" के इस अर्थ का अनुवाद करने के तरीकों में "अवगत होना" या "परिचित होना" या "संबंध में होना" शामिल हो सकते हैं।
- कुछ भाषाओं में "जानना" के लिए दो अलग-अलग शब्द होते हैं, एक तथ्यों को जानने के लिए और एक व्यक्ति को जानने और उस व्यक्ति के साथ संबंध में होने के लिए। व्यक्ति को जानने और उस व्यक्ति के साथ संबंध में होने के लिए शब्द का उपयोग इस अर्थ में "जानना" शब्द का अनुवाद करते समय किया जाना चाहिए।

(यह भी देखें: जानकारी-जानना, प्रकट करना)

#### बाइबल संदर्भ:

#### शब्द विवरण:

### संयम

#### परिभाषा:

"संयम" पाप से बचने के लिए किसी के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखना।

- इसका संदर्भ सदाचार से है अर्थात् पाप के विचार, भाषा और कामों से बचना।
- संयम पवित्र-आत्मा द्वारा मसीहियों को दिया गया फल या गुण है।
- संयम रखने वाला मनुष्य किसी गलत काम को करने की इच्छा से अपने आप को रोक लेता है। परमेश्वर ही मनुष्य को संयम प्रदान करता है।

(यह भी देखें: फल, पवित्र आत्मा)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [1 कुरिन्थियों 07:8-9](#)
- [2 पतरस 01:5-7](#)
- [2 तीमुथियुस 03:1-4](#)
- [गलातियों 05:22-24](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रॉंग्स: H4623, H7307, G192, G193, G1466, G1467, G1468, G4997

### संसार

#### परिभाषा:

"संसार" शब्द आमतौर पर ब्रह्माण्ड के उस भाग को दर्शाता है जहां मनुष्य वास करता है: पृथ्वी "सांसारिक" शब्द इस संसार के लोगों की बुरी मान्यताओं तथा व्यवहार का विवरण देता है।

- सामान्य अर्थ में “संसार” आकाश और पृथ्वी और जो कुछ उनमें है उसे दर्शाता है।
- अनेक संदर्भों में “संसार” का अर्थ “संसार के लोग” होता है।
- कभी-कभी इसका संकेत पृथ्वी के बुरे लोगों या उन लोगों से है जो परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते हैं।
- प्रेरितों ने भी “संसार” शब्द को मनुष्यों के स्वार्थी स्वभाव और भ्रष्ट मान्यताओं के लिए काम में लिया है। इसका अर्थ मानवीय प्रयासों पर आधारित धार्मिकता के पाखंड के धर्म आधारित अभ्यास भी होता है।
- इन मान्यताओं पर निर्भर मनुष्य और वस्तुओं के लक्षणों को “सांसारिक” कहा गया है।

#### अनुवाद के सुझाव

- सन्दर्भ के अनुसार “संसार” का अनुवाद “ब्रह्माण्ड” या “संसार के लोग” या “संसार की भ्रष्ट बातें” या “संसार के मनुष्यों का दुष्ट स्वभाव” भी हो सकता है।
- “संपूर्ण संसार” का अर्थ प्रायः “अनेक लोग” और विशेष क्षेत्र के रहने वाले लोगों से होता है। उदाहरणार्थ, “सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में आए।” इसका अनुवाद हो सकता है, “आस-पास के देशों से बहुत लोग मिस्र आए” या “मिस्र के आसपास के सब देशों के लोग वहां आए”।
- “रोमी साम्राज्य में सब लोग जनगणना के लिए अपना नाम लिखवाने के लिए अपने-अपने जन्म स्थान को गए” इसका अनुवाद हो सकता है: “बहुत से लोग जो रोमी साम्राज्य के अधीन के राज्यों में रहते थे गए...”।
- सन्दर्भ के अनुसार “सांसारिक” का अनुवाद “बुरा” या “पापमय” या “स्वार्थी” या “अभक्त” या “भ्रष्ट” या “संसार के लोगों की भ्रष्ट मान्यताओं द्वारा प्रभावित” हो सकता है।
- “संसार को यह बातें कहना” का अनुवाद “संसार के लोगों से यह बात कहना” हो सकता है।

- अन्य संदर्भों में “संसार में” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के लोगों में रहते हुए” या “अभक्त लोगों में रहते हुए”

(यह भी देखें: भ्रष्ट, स्वर्ग, रोम, अभक्त)

*बाइबल संदर्भ:*

- [1 यूहन्ना 02:15](#)
- [1 यूहन्ना 04:5](#)
- [1 यूहन्ना 5:5](#)
- [यूहन्ना 1:29](#)
- [मत्ती 13:36-39](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H776, H2309, H2465, H5769, H8398, G1093, G2886, G2889, G3625

## सताना/सताव

*परिभाषा:*

“सताना” और “सताव” अर्थात् किसी मनुष्य को या समुदाय के साथ कठोर व्यवहार करना कि जिससे उन्हें हानि पहुंचे।

- उपद्रव किसी एक मनुष्य या अनेक मनुष्यों पर हो सकता है जिसमें बार-बार, लगातार वार करना होता है।
- इस्राएलियों को विभिन्न जातियों ने सताया था। उन्होंने उन पर आक्रमण किया, उन्हें बन्दी बनाया और उनके नगरों को लूटा।
- मनुष्य प्रायः उन लोगों को सताता है जिनका धर्म अलग हो या जो दुर्बल हों।
- यहूदी धर्म के अगुवे यीशु को सताते थे क्योंकि उन्हें उसकी शिक्षाएं अच्छी नहीं लगती थी।
- यीशु के स्वर्गारोहण के बाद यहूदी धर्म के अगुवे और रोमी सरकार यीशु के अनुयायियों को सताने लगे थे।
- “सताना” का अनुवाद हो सकता है, “अत्याचार करते रहना” या “कठोर व्यवहार करना” या “लगातार दुर्व्यवहार करना।”
- “सताव” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “कठोर दुर्व्यवहार” या “अत्याचार” या “लगातार कष्टदायक व्यवहार”

(यह भी देखें: मसीही विश्वासी, आराधनालय, अत्याचार करना, रोम)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 7:52](#)
- [प्रे.का. 13:50](#)
- [गलातियों 1:13-14](#)
- [यूहन्ना 5:16-18](#)
- [मरकुस 10:30](#)
- [मत्ती 5:10](#)
- [मत्ती 5:43-45](#)
- [मत्ती 10:22](#)
- [मत्ती 13:20-21](#)
- [फिलिप्पियों 3:6](#)

*बाइबल की कहानियों के उदाहरण:*

- **33:7** "वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते हैं, ये वे हैं जो वचन को सुनकर तुरन्त आनन्द से ग्रहण कर लेते हैं। इसके बाद जब वचन के कारण उन पर **उपद्रव** होता है, तो वे तुरन्त ठोकर खाते हैं।"
- **45:6** उसी दिन, कई लोग यरूशलेम में यीशु मसीह पर विश्वास करने वालों पर बड़ा **उपद्रव** करने लगे, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों में भाग गए।
- **46:2** शाऊल ने यह शब्द सुना, "हे शाऊल! हे शाऊल, तू मुझे क्यों **सताता** है?" उसने पूछा, "हे प्रभु तू कौन है?" यीशु ने उसे उत्तर दिया कि, "मैं यीशु हूँ जिसे तू **सताता** है।"
- **46:4** परन्तु हनन्याह ने कहा, "हे प्रभु मैंने इस मनुष्य के विषय में सुना है कि इसने तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी **बुराईयाँ** की हैं।"

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H1814, H7291, H7852, G13750, G13760, G13770, G15590, G23470

**सदूकी***परिभाषा:*

मसीह यीशु के युग में सदूकी यहूदियों के याजकों में से उभरा एक राजनीतिक दल था। जो रोमी राजा का विरोधी था और पुनरूत्थान में विश्वास नहीं करता था।

- अनेक सदूकी धनवान उच्चवर्गीय यहूदी थे जिनके हाथ में प्रभावशाली अगुआई के पद थे जैसे प्रधान याजक और महायाजक।
- सदूकियों के दायित्वों में मन्दिर के देखरेख करना तथा याजकीय सेवाएँ जैसे बलि चढ़ाना था।
- सदूकियों और फरीसियों ने यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए रोमी प्रशासकों को विवश किया था।
- यीशु ने इन दो पंथों के स्वार्थ और पाखण्ड की निन्दा की थी।

(यह भी देखें: प्रधान-याजकों, महासभा, महायाजक, कपटी, यहूदी अगुवों, फरीसी, याजक)

*बाइबल के सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 4:3](#)
- [प्रे.का. 5:17-18](#)
- [लूका 20:27](#)
- [मत्ती. 3:7](#)
- [मत्ती 16:1](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: G45230

**सदोम***परिभाषा:*

सदोम कनान के दक्षिणी हिस्से में एक शहर था, जहाँ अब्राहम का भतीजा लूत अपने परिवार के साथ रहने गया था।

- सदोम का परिक्षेत्र जल प्राचुर्य के कारण अत्यधिक उपजाऊ था, यही कारण था कि लूत ने वह स्थान अपने निवास के लिए चुना था।
- इस स्थान की भौगोलिक स्थिति अज्ञात है, क्योंकि वह संपूर्ण क्षेत्र, सदोम, अमोरा और आसपास का क्षेत्र वहाँ के निवासियों के भ्रष्ट कर्मों के दण्ड के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने पूर्णतः नष्ट कर दिया था।
- वहाँ के लोगों का सबसे बड़ा पाप समलैंगिक योनाचार था।

(यह भी देखें: कनान, अमोरा)

*बाइबल के संदर्भ:*

- [उत्पत्ति 10:19](#)
- [उत्पत्ति 13:12](#)
- [मत्ती. 10:15](#)
- [मत्ती 11:24](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H5467, G46700

## सनातन

*परिभाषा:*

“सनातन” और “अनन्त” के अर्थ लगभग एक से ही हैं और सदा उपस्थित या सदाकालीन बात का संदर्भ देते हैं।

- “अनन्तकाल” इस बात का संदर्भ देते हैं जिसकी न आरंभ या न ही अन्त है। इसका संदर्भ ऐसे जीवन से भी है जिसका अन्त नहीं।
- इस वर्तमान पार्थिव जीवन के बाद, मनुष्य परमेश्वर के साथ स्वर्ग में या परमेश्वर से अलग नरक में अनन्त जीवन व्यतीत करेंगे।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” नये नियम में परमेश्वर के साथ स्वर्ग में सदा के जीवन के लिए काम में ली गई उक्तियां हैं।
- “युगानुयुग” इस उक्ति द्वारा अनन्तकाल या अनन्त जीवन व्यक्त किया जाता है।

*अनुवाद के सुझाव:*

- “अनन्त” और “सदाकाल” का अनुवाद करने की अन्य विधियां, “अन्तरहित” या “कभी नहीं रूकनेवाला” या “सदा चलनेवाला” हो सकते हैं।
- “अनन्त जीवन” और “सदा का जीवन” का अनुवाद, “जीवन जिसका अन्त नहीं या “जीवन जो रुके बिना चलता है” या “देह का पुनरुत्थान अनन्त जीवन पाने के लिए” हो सकता है।
- प्रकरण के आधार पर “अनन्तकाल” की अनुवाद विधियां, “समय के परे उपस्थित” या “समाप्त न होने वाला जीवन” या “स्वर्ग का जीवन” हो सकता है।
- \*स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया गया है उस पर भी ध्यान दें। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: सदाकालीन, जीवन)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [उत्पत्ति] 17:8(rc://\*/tn/help/gen/17/08)
- [उत्पत्ति] 48:4(rc://\*/tn/help/gen/48/4)
- [निर्गमन 15:17](#)
- [2 शमूएल 03:28-30](#)
- [1 राजा 02:32-33](#)
- [अय्यूब 04:20-21](#)
- भ.स 21:04
- [यशायाह] 9:6-7(rc://\*/tn/help/isa/09/06)
- [यशायाह] 40:27-28(rc://\*/tn/help/isa/04/27)
- [दानिएल 07:18](#)
- [लूका 18:18](#)
- [प्रे.का. 13:46](#)
- [रोमियों 05:21](#)
- [इब्रानियों 06:19-20](#)
- [इब्रानियों 10:11-14](#)
- [1 युहन्ना 01:02](#)
- [1 युहन्ना 05:12](#)
- [प्रका. 01:4-6](#)
- [प्रका.] 22:3-5(rc://\*/tn/help/rev/22/03)

*बाइबल कहानियों के उदाहरण:*

- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे **अनन्त जीवन** पाने के लिए क्या करना चाहिए?"

- **28:01** एक दिन, एक अमीर युवा शासक यीशु के पास आया और उससे पूछा, "अच्छा शिक्षक, मुझे क्या करना चाहिए \_ अनन्त जीवन \_ प्राप्त करने के लिए?" यीशु ने उस से कहा, "तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो के अच्छा क्या है।? केवल एक ही है जो अच्छा है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तुम \_ अनन्त जीवन \_ पाना चाहते हो, तो परमेश्वर के नियमों का पालन करें।"
- **28:10** यीशु ने उत्तर दिया, "जिसने मेरे नाम के लिए घर, भाइयों, बहनों, पिता, माता, बच्चों या संपत्ति को छोड़ दिया है, उसे सौ गुणा अधिक मिलेगा और **अनन्त जीवन** भी प्राप्त करेगा।"

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H3117, H4481, H5331, H5703, H5705, H5769, H5865, H5957, H6924, G126, G165, G166, G1336

## सनौबर

*परिभाषा:*

“सनौबर” बाइबल के युग में बहुतायत से उगते थे विशेष करके भूमध्य-सागर के तटीय प्रदेशों में।

- साइप्रस और लबानोन दो ऐसे स्थान थे जिनकी चर्चा बाइबल में की गई है कि वहां सनौबर बहुतायत से थे।
- नूह ने अपना जहाज बनाने के लिए जिस लकड़ी को इस्तेमाल किया था वह संभवतः सनौबर ही की थी।
- क्योंकि सनौबर की लकड़ी ठोस एवं दीर्घकालीन होती है इसलिए प्राचीन युग के लोग इससे नाव एवं अन्य निर्माण कार्य करते थे।

(यह भी देखें: सन्दूक, साइप्रस, देवदार, लबानोन)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 11:19-21](#)
- [उत्पत्ति 06:13-15](#)
- [होशे 14:7-8](#)
- [यशायाह 44:14](#)
- [यशायाह 60:12-13](#)
- [जकर्याह 11:1-3](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H8645

## सनौबर

*परिभाषा:*

- “सनौबर” एक सदाबहार वृक्ष है जिसमें शंकुओं के अन्दर बीज होते हैं।
- इन वृक्षों की सदाबहार वृक्ष भी कहते हैं।
- प्राचीन युग में सनौबर की लकड़ी संगीतवाद्यों को बनाने में तथा नाव, घर एवं मन्दिर बनाने के लिए प्रयोग किया जाता था।
- बाइबल में इस प्रजाति के वृक्षों के नाम हैं, चीड़, देवदारू, सनौबर, और सदाबहार वृक्ष।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: देवदारू, सनौबर)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [यहेजकेल 27:4-5](#)
- [यशायाह 37:24-25](#)
- [यशायाह 41:19-20](#)
- [यशायाह 44:14](#)
- [यशायाह 60:12-13](#)
- भजन संहिता 104:16-18

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H766, H1265, H1266

## सन्हेरीब

*तथ्य:*

सन्हेरीब अश्शूरों का एक महान राज्य था जिसने नीनवे को एक समृद्ध एवं महत्वपूर्ण नगर बना दिया था।

- सन्हेरीब बेबीलोन और यहूदा राज्य से युद्ध करने के लिए जाना गया है।
- वह एक अत्यधिक अभिमानी राजा था और यहोवा का उपहासक था।
- सन्हेरीब ने राजा हिजकियाह के राज्यकाल में यरूशलेम पर आक्रमण किया था।
- यहोवा ने सन्हेरीब की सेना को नष्ट कर दिया था।
- पुराने नियम में राजाओं और इतिहास की पुस्तकों में सन्हेरीब के राज्य की घटनाओं के वृत्तान्त हैं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्शूर, बेबीलोन, हिजकियाह, यहूदा, ठट्ठा करना, नीनवे)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [2 इतिहास 32:1](#)
- [2 इतिहास 32:16-17](#)
- [2 राजा 18:13-15](#)

*शब्द तथ्य:*

## सपन्याह

*तथ्य:*

सपन्याह भविष्यद्वक्ता, कूशी का पुत्र, यरूशलेम वासी था और यहूदा के राज्य योशियाह के राज्यकाल में उसने भविष्यद्वाणी की थी। उसका सेवाकाल यिर्मयाह के समय का है।

- उसने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था। उनकी भविष्यवाणियां पुराने नियम में सपन्याह की पुस्तक में लिखा गया है।
- पुराने नियम में सपन्याह नामक अनेक पुरुष भी हुए हैं जिनमें से ज्यादातर याजक थे।।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: यिर्मयाह, योशियाह, याजक)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [2 राजा 25:18-19](#)
- [यिर्मयाह 52:24-25](#)
- [जकर्याह 06:9-11](#)
- [सपन्याह 01:1-3](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H6846

## सप्ताह

*परिभाषा:*

“सप्ताह” शब्द सात दिन के समय के संदर्भ में है।

- यहूदी सप्ताह का आरंभ शनिवार के सूर्यास्त से गिनते थे और सप्ताह का अन्त अगले शनिवार के सूर्यास्त तक मानते थे।
- बाइबल में “सप्ताह” का प्रतीकात्मक उपयोग समय की सात ईकाइयों के संदर्भ में होता था जैसे सात वर्षों का सप्ताह।
- “सप्ताहों का पर्व” फसल का उत्सव जो फसल के सात सप्ताहों बाद आता था। इसे पित्तुकुस्त भी कहते थे।

(यह भी देखें: पित्तुकुस्त)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 20:7-8](#)
- [व्यवस्थाविवरण 16:9-10](#)
- [लैव्यव्यवस्था 23:15-16](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H7620, G4521

**सब्त***परिभाषा:*

"सब्त" शब्द का अर्थ है सप्ताह का सातवां दिन, जिसके लिए परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि उस दिन को विश्राम करने के लिए प्रिथक कर दें, उस दिन कोई कार्य नहीं करें।

- परमेश्वर ने छः दिन ब्रह्माण्ड की रचना की, और सातवें दिन विश्राम किया। इसी प्रकार, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि सातवें दिन को पवित्र मानकर विश्राम का विशेष दिन रखें और उसकी आराधना करें।
- "सब्त के दिन को पवित्र रखने" की आज्ञा दस आज्ञाओं में से एक है जिन्हें परमेश्वर ने पत्थर की पट्टियों पर लिखकर मूसा को इस्राएल के लिए दिए थे।
- यहूदी दिनों की गिनती के अनुसार, सब्त का दिन शुक्रवार सूर्यास्त से आरंभ होकर शनिवार सूर्यास्त तक होता था।
- बाइबल में कभी-कभी मात्र सब्त के स्थान पर "सब्त का दिन" कहा गया है।

*अनुवाद के सुझाव:*

- इसको इस प्रकार से भी अनुवाद किया जा सकता है जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम के लिए दिन" या "काम नहीं करने का दिन" या "परमेश्वर के विश्राम का दिन।"
- कुछ अनुवादों में इस शब्द को बड़े अक्षरों में लिखकर प्रकट किया जाता है कि यह एक विशेष दिन है, जैसे कि "विश्राम दिवस" या "विश्राम का दिन।"
- ध्यान दें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विश्राम)

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 इतिहास 31:2-3](#)
- [प्रे.का. 13:26-27](#)
- [निर्गमन 31:14](#)
- [यशायाह 56:6-7](#)
- [विलापगीत 2:6](#)
- [लैव्यव्यवस्था 19:3](#)
- [लूका 13:14](#)
- [मरकुस 2:27](#)
- [मत्ती 12:2](#)
- [नहेम्याह 10:32-33](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **13:5** "तू **सब्त के दिन** को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना। छः दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम-काज करना, परन्तु सातवा दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये विश्रामदिन है।"
- **26:2** यीशु नासरत शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था। **सब्त** के दिन वह आराधना करने के स्थान पर गया।
- **41:3** यीशु को दफ़नाने के दिन के बाद **सब्त** का दिन था, और यहूदियों को उस दिन कब्र पर जाने की अनुमति नहीं थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4868, H7676, H7677, G4315, G4521

## समझना

परिभाषा:

"समझना" शब्द का अर्थ है सुनना या किसी जानकारी को अंतर्ग्रहण करना और समझना कि वह क्या है।

- "समझ" शब्द का संदर्भ "ज्ञान" या "बुद्धि" से भी हो सकता है या "किसी काम को करने की समझ से भी"।
- किसी को समझने का अर्थ यह भी हो सकता है कि वह व्यक्ति कैसा महसूस कर रहा है।
- इम्माऊस के मार्ग में यीशु ने उन शिष्यों को धर्मशास्त्र से मसीह का अर्थ समझने में सहायता की थी।
- प्रकरण के अनुसार "समझ" का अनुवाद "जानना" या "विश्वास करना" या "अंतर्ग्रहण करना" या "अर्थ समझना" भी हो सकता है।
- "समझ" का अनुवादक प्रायः "ज्ञान" या "बुद्धि" या "अंतर्ग्रहण" किया गया है।

(यह भी देखें: विश्वास, जानना, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- [अथ्यूब 34:16-17](#)
- [लूका 02:45-47](#)
- [लूका 08:9-10](#)
- [मत्ती 13:10-12](#)
- [मत्ती 13:13-14](#)
- [नीतिवचन 03:5-6](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H998, H999, H1847, H2940, H3045, H3820, H3824, H4486, H7200, H7306, H7919, H7922, H7924, H8085, H8394, G50, G145, G191, G801, G1097, G1107, G1108, G1271, G1921, G1922, G1987, G1990, G2657, G3129, G3539, G3563, G3877, G4441, G4907, G4908, G4920, G5424, G5428, G5429, G6063

## समय

तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है।

जब कुछ घटनाएं हुई थीं। इसका अर्थ "युग" या "काल" या "ऋतु" के समान है।

- दानियेल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
- "समय, समयों और आधे समय" इस उक्ति में समय का अर्थ है, "वर्ष।" यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
- "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
- "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
- प्रकरण के अनुसार "समय" शब्द का अनुवाद "मौसम" या "काल" या "पल" या "घटना" या "घटन" हो सकता है।
- "समयों और ऋतुओं" यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, "किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना" (देखें: प्रतिलिपि)

(यह भी देखें: युग, पीड़ा)

*बाइबल संदर्भ:*

- [प्रेरि. 01:07](#)
- [दानियेल 12:1-2](#)
- [मरकुस 11:11](#)
- [मत्ती 08:29](#)
- भजन संहिता 068:28-29
- [प्रकाशितवाक्य 14:15](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रॉंग्स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

## समर्पण करना

*परिभाषा:*

समर्पण करने का अर्थ है, किसी को या किसी वस्तु की विशेष उद्देश्य या कार्य के लिए पृथक करना या प्रतिबद्ध करना।

- दाऊद ने अपना सोना-चांदी परमेश्वर को समर्पित कर दिया था।

"समर्पण" शब्द का अर्थ प्रायः होता है, किसी विशेष कार्य हेतु किसी वास्तु को पृथक करने का विधिवत कार्य या अनुष्ठान का संदर्भ देता है कि किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त उसे पृथक कर दिया गया है।

- वेदी के समर्पण में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाई जाती थी।
- नहेम्याह ने यरूशलेम की पुनरुद्धार की गई शहरपनाह के समर्पण में इस्राएलियों की गुआई की थी और केवल यहोवा की सेवा करने की और उसके इस नगर की देखरेख की प्रतिज्ञा का नवीकरण किया था। इस घटना में संगीत वाद्यों और संगत के द्वारा परमेश्वर को धन्यवाद दिया गया था।
- “समर्पण करना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विशेष उद्देश्य की विशेष रूप से नियत करना” या “किसी विशेष उपयोग हेतु किसी वस्तु को समर्पित करना” या “किसी विशेष कार्य हेतु किसी का समर्पण करना”।

(यह भी देखें: प्रतिबद्ध)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 इतिहास 15:11-12](#)
- [1 कुरिन्थियों 6:9-11](#)
- [1 राजा 7:51](#)
- [1 तीमुथियुस 4:5](#)
- [2 इतिहास 2:4-5](#)
- [यूहन्ना 17:18-19](#)
- [लूका 2:22-24](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H2596, H2597, H2598, H2764, H4394, H6942, H6944, G1456, G1457

## समाचार

*परिभाषा:*

“समाचार सुनाना” अर्थात् किसी घटन की सूचना देना, या अधिकतर उस घटना का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करना। “समाचार” वह होता है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

- “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
- “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना।”
- “समाचार” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” जो प्रकरण के अनुसार किए जाएंगे।

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 5:22-23](#)
- [यूहन्ना 12:38](#)
- [लूका 5:15](#)
- [लूका 8:34-35](#)
- [मत्ती 28:15](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, H8089, G01890, G01910, G03120, G05180, G09870, G12250, G13100, G18340, G20360, G21630, G30040, G30560, G31400, G33770

## समुद्र

*तथ्य:*

बाइबल में “महानद” या “पश्चिमी सागर” आज के भूमध्य सागर के संदर्भ में है। यह बाइबल के युग के लोगों के लिए सबसे बड़ा समुद्र था।

- यह इस महानद (भूमध्य सागर) के चारों ओर थे: इस्राएल (पूर्व में), यूरोप (उत्तर और पश्चिम में) और अफ्रीका (दक्षिण में)।
- प्राचीन युग में यह समुद्र अत्यधिक महत्वपूर्ण था क्योंकि इसमें व्यापार और जलयात्रा की जाती थी क्योंकि इसके तट पर अनेक देश थे। इस समुद्र के तट पर स्थित नगर और जन समुदाय बहुत समृद्ध थे क्योंकि अन्य देशों से जहाज द्वारा सामान लाना आसान था।
- यह महासागर इस्राएल के पश्चिम में था इसलिए इसे “पश्चिमी सागर” भी कहा गया है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: इस्राएल, लोग समूह, समृद्ध)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [यहेजकेल 47:15-17](#)
- [यहेजकेल 47:18-20](#)
- [यहोशू 15:3-4](#)
- [गिनती 13:27-29](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H314, H1419, H3220

## समृद्ध होना

*परिभाषा:*

“समृद्धि” शब्द का अर्थ है अच्छा जीवन और इसका संदर्भ सांसारिक एवं आत्मिक समृद्धि से भी हो सकता है। जब मनुष्य या देश “समृद्ध” होते हैं तो इसका अर्थ है वे धनाढ्य हैं और सफलता के लिए उनके पास सब कुछ है। वे “समृद्धि” का अनुभव पाते हैं।

- “समृद्ध” शब्द प्रायः धन-सम्पदा का संदर्भ देता है या मनुष्यों के सुखी जीवन के लिए सब आवश्यकताओं की पूर्ति का संदर्भ देता है।
- बाइबल में “समृद्ध” शब्द का अभिप्राय है, स्वास्थ्य एवं सन्तान की आशिष।
- “समृद्ध” नगर या देश वह है जिसमें अनेक लोग हों, भोजन का अच्छा उत्पाद हो तथा बहुत पैसा लानेवाले व्यापार हों।
- बाइबल के अनुसार परमेश्वर की आज्ञाओं को मानने वाला आत्मिक समृद्धि पाता है। उसे आनन्द और शान्ति भी मिलती है। परमेश्वर मनुष्य को सदैव धन सम्पदा नहीं देता है परन्तु उसके मार्गों पर चलने से उन्हें आत्मिक समृद्धि प्रदान करता है।
- प्रकरण पर आधारित “समृद्ध” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक उन्नति” या “परमेश्वर द्वारा आशिषित” या “भली वस्तुओं का अनुभव” या “उत्तम जीवन”।
- “समृद्ध” शब्द का अनुवाद यह भी हो सकता है, “सफल” या “धनवान” या “आत्मिकता में फलवन्त”।
- “समृद्धि” का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है, “कल्याण” या “धन सम्पदा” या “सफलता” या “विपुल आशिषें”।

(यह भी देखें: आशिष देना, फल, आत्मा)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 इतिहास 29:22-23](#)
- [व्यवस्थाविवरण 23:5-6](#)
- [अथ्यूब 36:10-12](#)
- [लैव्यवस्था 25:26-28](#)
- भजन संहिता 001:3

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H1129, H1767, H1878, H1879, H2428, H2896, H2898, H3027, H3190, H3444, H3498, H3787, H4195, H5381, H6500, H6509, H6555, H6743, H6744, H7230, H7487, H7919, H7951, H7961, H7963, H7965, G2137

**सम्मति***परिभाषा:*

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

- राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
- कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिसके अनुसार दी गई आज्ञा उसको और जनता को हानि पहुंचाती थी।
- प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनियाँ” या “समझाना” या “मार्गदर्शन”
- “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
- ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: समझाना, पवित्र आत्मा, बुद्धिमान)

*बाइबल सन्दर्भ:**शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G10110, G10120, G11060, G48230, G48250

**सरकंडों का सागर***तथ्य:*

“सरकंडों का सागर” मिस्र और अरब के बीच स्थित एक जलाशय का नाम था। इसे अब “लाल सागर” कहा जाता है।

- लाल सागर लंबा और संकरा है। यह एक झील या नदी से बड़ा है परन्तु समुद्र से बहुत छोटा है।
- इस्राएलियों को मिस्र से निकलने के बाद लाल सागर पार करना पड़ा था। परमेश्वर ने लाल सागर के जल को विभाजित करके सूखी भूमि प्रकट कर दी थी कि इस्राएली चलकर उसे पार कर लें।
- कनान इस सागर के उत्तर में था।
- इसका अनुवाद “सरकंडों का सागर” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अरब, कनान, मिस्र)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 7:35-37](#)
- [निर्गमन 13:17-18](#)
- [यहोशू 4:22-24](#)
- [गिनती 14:23-25](#)

*बाइबल की कहानियों के उदाहरण:*

- 12:4 जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र की सेना आ रही है, तो उन्हें डर लगा कि वे फिरौन की सेना और **लाल सागर** के बीच फंस गए हैं
- 12:5 तब परमेश्वर ने मूसा से कहा, "लोगों को **लाल सागर** की ओर जाने के लिए कह।"
- 13:1 जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को **लाल सागर** पार करा दिया तब वह उनको मरुभूमि में लेकर चलते हुए सीने नमक एक पर्वत तक लाया।

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H3220, H5488, G2063, G2281

## सर्प

*तथ्य:*

ये सब शब्द एक ऐसे रेंगनेवाले जन्तु के संदर्भ में हैं जिसका शरीर पतला और लम्बा होता है। उसके दांत बड़े और नुकीले होते हैं वह भूमि पर टेढ़ी मेढ़ी चाल से रेंगता है। “सांप” (सर्प)

शब्द एक बड़े सांप के संदर्भ में है और “नाग” विषैला सांप होता है जो अपने शिकार को मारने के लिए विष काम में लेता है।

- यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में एक ऐसे मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो दुष्ट है, विशेष करके धोखा देनेवाले के लिए।
- यीशु धर्म के अगुओं को “सांप के बच्चे” कहता था क्योंकि वे धार्मिकता का स्वांग रचते थे परन्तु मनुष्यों को धोखा देते थे और उनके साथ पक्षपात का व्यवहार करते थे।
- अदन की वाटिका में, शैतान ने सर्प का रूप धारण किया और हव्वा को बहका कर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करवाया।
- जब शैतान ने सर्परूप में हव्वा को परीक्षा में गिराकर पाप करवाया, तब हव्वा और उसका पति, दोनों ने पाप किया। परमेश्वर ने सर्प को श्राप दिया कि उसका वंश भूमि पर रेंग कर चलेगा। इसका अभिप्रेत अर्थ है कि इससे पूर्व सर्प के पाँव थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: शाप, छलना, अवज्ञा, अदन, दुष्ट, शिकार, शैतान, पाप, परीक्षा करना)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [उत्पत्ति 3:3](#)
- [उत्पत्ति 3:4-6](#)
- [उत्पत्ति 3:12-13](#)
- [मरकुस 16:17-18](#)
- [मत्ती 3:7](#)
- [मत्ती 23:33](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H0660, H2119, H5175, H6620, H6848, H8314, H8577, G21910, G20620, G37890

## सर्वशक्तिमान

तथ्य:

“सर्वशक्तिमान” का वास्तविक अर्थ है “सबसे अधिक शक्तिशाली” बाइबल में यह शब्द परमेश्वर को सम्बोधित करता है।

- “सर्वशक्तिमान” या “सर्व-सामर्थी” शब्द परमेश्वर के संदर्भ में हैं और प्रकट करते हैं कि उसे सब पर पूर्व अधिकार एवं सामर्थ्य प्राप्त है।
- इस शब्द द्वारा परमेश्वर को पदनामों दिया गया है, “सर्वशक्तिमान परमेश्वर” या “सर्व-सामर्थी परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर”

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है: “सर्वसामर्थी” या “सर्वशक्तिमान” या “परमेश्वर, जो सर्वशक्तिमान है”
- “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” के अनुवाद हो सकते हैं, “सामर्थी शासक परमेश्वर” या “सर्वशक्तिमान प्रभुता संपन्न परमेश्वर” या “सामर्थी परमेश्वर जो एक महान स्वामी है”।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर, प्रभु, सामर्थ्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- [निर्गमन 06:2-5](#)
- [उत्पत्ति 17:1-2](#)
- [उत्पत्ति 35:11-13](#)
- [अय्यूब 08:1-3](#)
- [गिनती 24:15-16](#)
- [प्रकाशितवाक्य 01:7-8](#)
- [रूत 01:19-21](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7706, G3841

## सहन करना-के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना

तथ्य:

इस अर्थ में उपयोग शब्द “सहन करना” का अर्थ है किसी चीज़ के लिए “जिम्मेदार होना” या किसी चीज़ के लिए “जिम्मेदार ठहराया जाना”।

- यह कथन कि “पुत्र अपने पिता के अधर्म का भार नहीं उठाएगा” का अर्थ है कि वह अपने पिता के पापों के लिए “जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा” या “उसके लिए दण्डित नहीं किया जाएगा।”
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद “जिम्मेदार होना” या “जिम्मेदार ठहराया जाना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधर्म)

बाइबिल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉंग का:

## सहना

तथ्य:

“सहना” का शाब्दिक अर्थ है “उठाना”, लेकर चलना। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ हैं।

- सन्तानोत्पत्ति के संदर्भ में इसका अर्थ है, शिशु को "जन्म देना"।
- "बोझ उठाना" अर्थात् "कठिनाइयों का सामना करना"। इन कठिनाइयों में शारीरिक एवं मानसिक कष्ट दोनों हैं।
- एक सामान्य अभिव्यक्ति है, "फल लाना" अर्थात् "फल उत्पन्न करना" या "फल होना।"
- "गवाही देना" अर्थात् "साक्षी देना" या "जो देखा है अनुभव किया है उसका वर्णन करना।"
- "पुत्र पिता के पाप का फल नहीं भोगेगा" अर्थात् वह पिता का "उत्तरदायी नहीं होगा" या पिता के पापों का "दण्ड नहीं पाएगा।"
- सामान्यतः इस शब्द का अनुवाद "उठाना" या "जिम्मेदार होना" या "उत्पन्न करना" या "सहन करना" या "सहना" संदर्भ के आधार पर भी हो सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बोझ, एलीशा, धीरज धरना, फल, अधर्म के काम, समाचार, भेड़, बल, साक्षी, गवाह)

**बाइबल सन्दर्भ:**

- [विलापगीत 3:27](#)

**शब्द तथ्य:**

- स्ट्रोंग्स: H2232, H3201, H3205, H5375, H5445, H5449, H6030, H6509, H6779, G01420, G04300, G09410, G10800, G16270, G25920, G31400, G41600, G47220, G48280, G50410, G50880, G53420, G54090, G55760

## सहभागिता

**परिभाषा:**

सामान्यतः "सहभागिता" का अर्थ है, किसी जन समुदाय के सदस्यों के मध्य मित्रतापूर्ण व्यवहार, जो एक सी रूचियों और अनुभवों को साझा करते हैं।

- बाइबल में "सहभागिता" शब्द मसीह के विश्वासियों की एकता के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मसीही सहभागिता एक आपसी संबन्ध है जो विश्वासी मसीह के साथ और पवित्र आत्मा के द्वारा एक दूसरे के साथ रखते हैं।
- आरंभिक विश्वासी अपनी सहभागिता को परमेश्वर के वचन की शिक्षा सुनने और प्रार्थना करने तथा अपनी सम्पदा को आपस में बाँटने और एक साथ भोजन करने के द्वारा प्रकट करते थे।
- विश्वासियों की सहभागिता यीशु में विश्वास के द्वारा और क्रूस पर उसकी बलिदान की मृत्यु (जिसके कारण परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य की दीवार गिराई गई थी) द्वारा परमेश्वर के साथ भी सहभागिता रखते हैं।

**अनुवाद के सुझाव:**

- "सहभागिता के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "आपस में बाँटना" या "संबन्ध" या "संगति" या "मसीही समुदाय"

**बाइबल सन्दर्भ:**

- [1 यूहन्ना 1:3-4](#)
- [प्रे.का. 2:40-42](#)
- [फिलिप्पियों 1:3-6](#)
- [फिलिप्पियों 2:1](#)
- [फिलिप्पियों 3:10](#)
- भजन संहिता 55:12-14

**शब्द तथ्य:**

- स्ट्रोंग्स: H2266, H8667, G2842, G2844, G3352, G4790

## साइप्रस

**तथ्य:**

साइप्रस भूमध्य-सागर का अन्तर्देशीय भाग है जो आज के तुर्किस्तान से 64 किलोमीटर दक्षिण में था।

- बरनबास साइप्रस का निवासी था, अतः संभव है कि यूहन्ना मरकुस भी वहीं रहा होगा क्योंकि दोनों रिश्ते में भाई थे।
- पौलुस और बरनबास ने अपनी प्रथम प्रचार यात्रा के आरंभ में साइप्रस में सुसमाचार सुनाया था। उस यात्रा में यूहन्ना मरकुस उनकी सेवा में था।
- बाद में बरनबास और यूहन्ना मरकुस ने साइप्रस का पुनः भ्रमण किया था।
- पुराने नियम में साइप्रस सरू के वृक्षों की बहुतायत के लिए प्रसिद्ध था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बरनबास, यूहन्ना मरकुस, समुद्र)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 04:36-37](#)
- [प्रे.का. 13:4-5](#)
- [प्रे.का. 15:39-41](#)
- [प्रे.का. 27:3-6](#)
- [यहेजकेल 27:6-7](#)
- [यशायाह 23:10-12](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: G2953, G2954

## साथी

*तथ्य:*

“साथी” का अर्थ है किसी के साथ रहनेवाला व्यक्ति या किसी से जुड़ा हुआ व्यक्ति, जैसे मित्रता या विवाह में। “संगी” शब्द किसी अन्य व्यक्ति के साथ काम करने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है।

- साथी एक ही अनुभव की अनुभूति एक साथ करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और एक दूसरे को सहयोग देते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।
- संदर्भ के आधार पर, इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसे शब्द या वाक्यांश के द्वारा भी किया जा सकता है, जिसका अर्थ है, “मित्र” या “सहायत्री” या “सहायक-व्यक्ति जो साथ जाता है” या “वह व्यक्ति जो साथ काम करता है।”

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [यहेजकेल 37:16](#)
- [इब्रानियों 1:9](#)
- [नीतिवचन 2:17](#)
- भजन संहिता 38:11-12

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H0251, H0441, H2269, H2270, H2273, H2278, H3674, H3675, H4828, H7453, H7462, H7464, G28440, G33530, G48980, G49040

## सादोक

*तथ्य:*

सादोक दाऊद राजा के राज्यकाल में इस्राएल का एक महत्वपूर्ण महायाजक था।

- जब अबशालोम ने राजा दाऊद के खिलाफ विद्रोह किया, तब सादोक दाऊद का समर्थन करता था और उसने वाचा के सन्दूक को यरूशलेम से वापस लाने में मदद की।
- वर्षों बाद उसने दाऊद के पुत्र सुलैमान का राज्य अभिषेक करने में योगदान किया था।
- सादोक नामक दो पुरुषों ने नहेम्याह के समय यरूशलेम की शहरपनाह का पुनः निर्माण करने में सहायता की थी।
- योताम राजा के दादा का नाम भी सादोक था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, दाऊद, योताम, नहेम्याह, राज करना, सुलैमान)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 इतिहास 24:1-3](#)
- [1 राजा 01:26-27](#)
- [2 शमूएल 15:24-26](#)
- [मत्ती 01:12-14](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H6659, G4524

## सामरिया

*तथ्य:*

सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल में एक नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों का नाम था। यह स्थान पश्चिम में शारोन के मैदान और पूर्व में यरदन नदी के मध्य था।

- पुराने नियम के युग में, सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल की राजधानी थी। उत्तरकाल में इसके आसपास का क्षेत्र भी सामरिया कहलाने लगा था।
- जब अश्शूरों ने उत्तरी राज्य इस्राएल को जीत लिया था और उस पर अधिकार कर लिया था तब उन्होंने अधिकांश इस्राएलियों को वहां से बलपूर्वक ले जाकर दूर अश्शूर देश के विभिन्न नगरों में बसा दिया था।
- अश्शूर अनेक परदेशियों को वहां सामरिया में लाकर इस्राएलियों के स्थान में बसा कर चले गए थे।
- जो इस्राएली वहां रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से विवाह कर लिया था और इस प्रकार उनके वंशज सामरी कहलाए।
- यहूदी सामरियों से घृणा करते थे क्योंकि वे आधे यहूदी थे और क्योंकि उनके पूर्वज मूर्ति-पूजक थे।
- नये नियम के युग में सामरिया क्षेत्र उत्तर में गलील क्षेत्र और दक्षिण में यहूदिया की सीमाओं से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: अश्शूर, गलील, यहूदिया, शारोन, इस्राएल का राज्य)

*बाइबल के सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 8:1-3](#)
- [प्रे.का. 8:5](#)
- [यूह. 4:4-5](#)
- [लूका 9:51-53](#)
- [लूका 10:33](#)

*बाइबल की कहानियों के उदाहरण:*

- **20:4** तब अश्शूरियों ने इस्राएल राज्य की भूमि पर अन्यजातियों को लाकर बसा दिया। इन अन्यजातियों ने उस नष्ट किए हुए शहर का पुनर्निर्माण किया, और वहाँ बचे हुए इस्राएलियों से विवाह किया। इन इस्राएलियों के वंशज जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया था **सामरी** कहलाए।
- **27:8** "अगला मनुष्य जो उस मार्सेग से होकर जा रहा था वह एक **सामरी** था। (**सामरी** उन यहूदियों के वंश के थे, जिन्होंने अन्यजातियों के लोगों से विवाह किया था। **सामरी** और यहूदी एक दूसरे से घृणा करते थे।)"
- **27:9** उस **सामरी** व्यक्ति ने उस घायल व्यक्ति को अपने गधे पर लाद लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की।"
- **4507** वह (फिलिप्पुस) **सामरिया** नगर में गया और वहाँ लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोग बचाए गए।

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

**सामर्थ्य***परिभाषा:*

"सर्वशक्तिमान" और "सामर्थ्य" का संदर्भ महान शक्ति या बल से है।

- "सामर्थी" प्रायः "बल" के लिए दूसरा शब्द है। परमेश्वर के बारे में चर्चा करते समय इस शब्द का अर्थ "शक्ति" हो सकता है।
- "सामर्थी पुरुष" का संदर्भ साहसी एवं युद्ध में जयवन्त पुरुषों के लिए किया गया है। दाऊद के विश्वासयोग्य साथी जो उसकी रक्षा एवं सुरक्षा करते थे उन्हें कई बार "सामर्थी पुरुष" कहा गया है।
- परमेश्वर को भी "सामर्थी" कहा गया है।
- "सामर्थी कार्य" प्रायः परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों, विशेष करके चमत्कारों को कहा गया है
- यह शब्द "सर्व-शक्तिमान" के समानार्थक है जो परमेश्वर का सामान्य वर्णन है जिसका अर्थ है कि उसके पास संपूर्ण शक्ति है।

*अनुवाद के लिए सुझाव:*

- सन्दर्भ के अनुसार "सामर्थी" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "शक्तिमान" या "आश्चर्यजनक" या "अत्यधिक बलवन्त"
- "उसका सामर्थ्य" का अनुवाद हो सकता है, "उसकी शक्ति" या "उसका बल"।
- प्रे.का. 7 में मूसा को "वचन और कर्म दोनों में सामर्थी" कहा गया है। इसका अनुवाद हो सकता है, "मूसा परमेश्वर के सामर्थी वचन बोलता था और चमत्कारी काम दर्शाता था।" या "मूसा परमेश्वर के वचन सामर्थ्य के साथ उच्चारित करता था और आश्चर्य के काम करता था।"
- सन्दर्भ के अनुसार, "सामर्थी कार्य" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य" या "आश्चर्यकर्म" या "परमेश्वर सामर्थ्य के साथ काम करता है।"
- "सामर्थ्य" का अनुवाद "शक्ति" या "महान बल" हो सकता है।
- इस शब्द का अंग्रेजी में संभावना सूचक शब्द के साथ भ्रमित न करें जैसे वर्षा हो सकती है।

(यह भी देखें: सर्वशक्तिमान, आश्चर्यकर्म, शक्ति, बल)

*बाइबल संदर्भ:*

- [प्रे.का. 07:22-25](#)
- [उत्पत्ति 06:4](#)
- [मरकुस 09:38-39](#)
- [मत्ती 11:23-24](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H46, H47, H117, H193, H202, H352, H386, H410, H430, H533, H650, H1219, H1368, H1369, H1370, H1396, H1397, H1401, H1419, H2220, H2389, H2394, H2428, H3201, H3524, H3581, H3966, H4101, H5794, H5797, H5807, H5868, H6099, H6105, H6108, H6184, H6697, H6743, H7227, H7580, H7989, H8623, H8624, H8632, G972, G1411, G1413, G1414, G1415, G1498, G1752, G1754, G2159, G2478, G2479, G2900, G2904, G3168, G3173, G5082

**सारा***तथ्य:*

- सारा अब्राहम की पत्नी थी।
- उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
- सारा ने अब्राहम से की गई परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र, इसहाक को जन्म दिया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, इसहाक)

*बाइबल के संदर्भ*

- [उत्पत्ति 11:30](#)
- [उत्पत्ति 11:31](#)
- [उत्पत्ति 17:15](#)
- [उत्पत्ति 25:9-11](#)

*बाइबल कहानियों से उदाहरण:*

- 5:01 तो अब्राहम की पत्नी **सारै**, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा। तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके।"
- 5:4 "तुम्हारी पत्नी, **सारै** को एक बेटा होगा-- वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
- 5:4 "परमेश्वर ने **सारै** का नाम बदलकर **सारा** रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
- 5:5 "लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और **सारा** नब्बे वर्ष की थी, **सारा** ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया। उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था।"

*शब्द तथ्य*

- स्ट्रोंग्स: H8283, H8297, G45640

**सिंहासन***परिभाषा:*

सिंहासन एक विशेष रूप से बनाया गया आसन होता है जहाँ शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय लेता है और अपने लोगों की याचनाओं को सुनता है।

- सिंहासन शासक के अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
- "सिंहासन" शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग राजा या उसके राज या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है। (देखें: लक्षणालंकार)
- बाइबल में परमेश्वर को प्रायः राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान दर्शाया गया है। यीशु को पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया है।
- यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका एक अनुवाद रूप हो सकता है, "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है।"

(यह भी देखें: अधिकार, सामर्थ्य, राजा, राज करना)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [कुलुस्सियों 1:15-17](#)
- [उत्पत्ति 41:40](#)
- [लूका 1:32](#)
- [लूका 22:30](#)
- [मत्ती 5:34](#)
- [मत्ती 19:28](#)
- [प्रकाशितवाक्य 1:4-6](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G09680, G23620

## सिंहों

*परिभाषा:*

सिंह एक बड़ी बिल्ली जैसा वन पशु है जिसके दांत और नाखून नुकीले होते। जिससे वह अपना शिकार मारता और फाड़ता है।

- सिंह का शरीर शक्तिशाली होता है और उसकी गति अति तीव्र होती है कि शिकार को पकड़ पाए। उसके रोंछे छोटे और सुनहरे भूरे रंग के होते हैं।
- नर सिंह के गले में चारों ओर बालों का केसर होता है।
- शेर मांसाहारी होते हैं और पशुओं को मारकर खाते हैं वे मनुष्य के लिए हिंसक भी होते हैं।
- जब राजा दाऊद बालक था उसने अपनी भेड़ों पर आक्रमण करने वाले सिंहों को मारा था।
- शिमशोन ने भी निहत्थे सिंह को मारा था।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, चीता, शिमशोन, भेड़)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 इतिहास 11:22-23](#)
- [1 राजा 7:29](#)
- [नीतिवचन 19:12](#)
- भजन संहिता 17:12
- [प्रकाशितवाक्य 05:5](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H738, H739, H744, H3715, H3833, H3918, H7826, H7830, G3023

## सिदकिय्याह

*तथ्य:*

सिदकिय्याह यहूदा का अन्तिम राजा था (597-587 ई.पू.)। पुराने नियम में सिदकिय्याह नामक और भी पुरुष हुए हैं।

- राजा नबूकदनेस्सर ने यहूदा के राजा सिदकिय्याह को राजा यहोयाकीन को पकड़ कर बबेल को ले जाने के बाद बनाया था। बाद में सिदकिय्याह ने विद्रोह किया और नबूकदनेस्सर ने उसे पकड़ा और पुरे यरूशलेम को नष्ट कर दिया।
- सिदकिय्याह, कनाना का पुत्र, इस्राएल के राजा अहाब के समय एक झूठा भविष्यद्वक्ता था।
- सिदकिय्या नाम का एक व्यक्ति नहेम्याह के समय प्रभु के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहाब, बबेल, यहजेकेल, इस्राएल का राज्य, यहोयाकीन, यिर्मयाह, होशिय्याह, यहूदा, नबूकदनेस्सर, नहेम्याह)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 इतिहास 03:15-16](#)
- [यिर्मयाह 37:1-2](#)
- [यिर्मयाह 39:1-3](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H6667

## सिद्ध

*परिभाषा:*

बाइबल में "सिद्ध" शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उस काम को तब तक करना जब तक कि वह काम उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित न हो जाए। पुराने नियम की बालियों को "सिद्ध" या "दोष रहित होना आवश्यक था अर्थात्, निष्कलंक।

- सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
- "सिद्ध" शब्द का अर्थ "पूर्ण" एवं "सर्वांग" भी होता है।
- नये नियम में याकूब की पत्नी में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
- विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं क्योंकि वे अपने आचरण में अधिकाधिक मासिम के सदृश्य होते जाते हैं।

*अनुवाद के सुझाव:*

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बिना त्रुटि के" या "बिना चूक के" या "निर्दोष" या "निष्कलंक" या "बिना किसी दोष के"।

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [इब्रानियों 12:2](#)
- [याकूब 3:2](#)
- [मत्ती 5:46-48](#)
- भजन संहिता 19:7-8

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H3632, H3634, H4359, H8003, H8503, H8537, H8549, H8552, G199, G2675, G2676, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050

## सिथ्योन

*परिभाषा:*

"सिथ्योन" या "सिथ्योन पर्वत" एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनों शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

- सिख्योन पर्वत और मोरियाह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सिख्योन” और “सिख्योन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं। (देखें: लक्षणालंकार)
- दाऊद ने सिख्योन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
- “सिख्योन” शब्द को अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: अब्राहम, दाऊद, यरूशलेम, बैतलहम, यबूसी)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 इतिहास 11:5](#)
- [आमोस 01:2](#)
- [यिर्मयाह 51:35](#)
- भजन संहिता 76:1-3
- [रोमियो 11:26](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H6726

## सिख्योन की बेटा

*परिभाषा:*

“सिख्योन की बेटा” इस्राएल के लिए प्रयुक्त प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। इसका उपयोग प्रायः भविष्यद्वाणियों में किया जाता है।

- पुराने नियम में “सिख्योन” शब्द यरूशलेम नगर के लिए प्रयोग किया गया दूसरा नाम है।
- “सिख्योन” और “यरूशलेम” दोनों शब्द इस्राएल को संदर्भित करने के लिए भी काम में लिए गए हैं।
- “बेटा” शब्द ममता और वात्सल्य का शब्द है। यह परमेश्वर द्वारा उसकी प्रजा के प्रति उसके धीरज और देखरेख के लिए एक रूपक है।

*अनुवाद के सुझाव:*

- इसके अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सिख्योन से मेरी पुत्री इस्राएल” या “सिख्योन के लोग जो मेरे लिए पुत्री जैसे हैं” या “सिख्योन मेरे प्रिय जन इस्राएल”।
- इस अभिव्यक्ति में “सिख्योन” शब्द को इसी रूप में रखना उचित है क्योंकि बाइबल में उसका अनेक बार उपयोग किया गया है। अनुवाद में एक टिप्पणी लिखी जा सकती है कि उसका प्रतीकात्मक अर्थ और भविष्यद्वाणी का उपयोग स्पष्ट किया जाए।
- “पुत्री” शब्द को भी इस अभिव्यक्ति के अनुवाद में ज्यों का त्यों रखना उचित है जब तक कि उसका अर्थ यथार्थ रूप में समझा जाता है।

(यह भी देखें: यरूशलेम, भविष्यद्वाक्ता, सिख्योन)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [यिर्मयाह 06:2](#)
- [यूहन्ना 12:15](#)
- [मत्ती 21:5](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H1323, H6726

## सींग

*तथ्य*

सींग, अनेक पशुओं के सिर पर कठोर नुकीले भाग उग आते हैं, जैसे मवेशी, भेड़, बकरी, हिरण आदि।

- भेढ़े(नर भेड़) की सींग से संगीत वाद्य बनाया जाता था, जिसे "नरसिंगा" या "शोफार" कहते थे जिसे अवसर विशेष पर फूँका जाता था, जैसे धार्मिक पर्वों पर।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि धूप जलाने की और पीतल की वेदियों के चारों कोनों पर सींग जैसे उभार की रचना करें। यद्यपि इन रचनाओं को "सींग" कहते थे, वे वास्तव में पशुओं के सींग नहीं थे।
- "सींग" शब्द कभी-कभी पानी या तेल के "पात्र" के सन्दर्भ में भी काम में लिया जाता था जिसका आकार सींग जैसा होता था और उसमें जल या तेल रखा जाता था। तेल का ऐसा सींग रूपी पात्र राजा के अभिषेक में काम आता था जैसे शमूएल ने दाऊद का अभिषेक में काम में लिया था।
- इस शब्द का अनुवाद तुरही शब्द के अनुवाद से एक सर्वथा भिन्न शब्द द्वारा किया जाना चाहिए।
- सींग शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग शक्ति, सामर्थ्य, अधिकार और वैभव को दर्शाने के लिए भी काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: अधिकार, गाय, हिरण, बकरी, सामर्थ्य, राजसी, भेड़, तुरही)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 15:27-28](#)
- [1 राजा 1:39](#)
- [2 शमूएल 22:3](#)
- [यिर्मयाह 17:1](#)
- भजन संहिता 022:21

#### शब्द तथ्य:

- Strong's: H3104, H7160, H7161, H7162, H7782, G2768

## सीदोन

#### तथ्य:

सीदोन कनान का सबसे बड़ा पुत्र था। कनानियों के एक नगर का नाम भी सीदोन था, संभवतः कनान के पुत्र के नाम पर।

- सीदोन नगर इस्राएल के उत्तर-पश्चिम में भूमध्य सागर के तट पर बसा था जो आज के लबानोन देश का एक भाग है।
- "सीदोनी" फिनीके जाति के लोग थे जो प्राचीन सीदोन तथा उसके आसपास के क्षेत्र में निवास करते थे।
- बाइबल में सीदोन, सोर के निकट संबन्ध में दर्शाया गया है दोनों नगर अपने वैभव और अनैतिक व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, नूह, फिनीके, समुद्र, सोर)

#### बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 12:20](#)
- [प्रे.का. 27:3-6](#)
- [उत्पत्ति 10: 15-18](#)
- [उत्पत्ति 10: 19](#)
- [मरकुस 3:7-8](#)
- [मत्ती 11:22](#)
- [मत्ती 15:22](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6721, H6722, G46050, G46060

## सीनै

#### तथ्यों:

सीनै पर्वत या होरेब पर्वत एक पर्वत था जो संभवतः आज के सीनै प्रायद्वीप के दक्षिण में है परन्तु इस पर्वत का वास्तविक स्थान अज्ञात है।

- एक संभावना है कि "होरेब" उस पर्वत का वास्तविक नाम है और "सीनै पर्वत" का सरल सा अर्थ है, "सीने का पहाड़" जिसका सन्दर्भ इस तथ्य से है कि होरेब पर्वत सीनै के मरुस्थल में है।
- इस पर्वत को "परमेश्वर का पर्वत" भी कहते हैं।
- यह वही स्थान है जहाँ मूसा ने भेड़ें चराते समय जलती हुई झाड़ी देखी थी।
- यह वही स्थान है जहाँ परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ वाचा बंधी थी और उनको पत्थर की पट्टियों पर आज्ञाएं लिख कर दी थीं।
- यह वह स्थान भी है जहाँ परमेश्वर ने मूसा को आज्ञा दी थी कि चट्टान को मार कर पानी निकाले कि मरुस्थल में चलते हुए इस्राएली तृप्त हो जाएं।

(यह भी देखें: रेगिस्तान, दस आज्ञाओं)

#### बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 7:29-30](#)
- [निर्गमन 16:1-3](#)
- [गलातियों 4:24](#)
- [लैव्यव्यवस्था 27:34](#)
- [गिनती 1:17-19](#)
- [1 राजा 8:9-11](#)
- [2इतिहास 5:9-10](#)
- [व्यवस्थाविवरण 1:2](#)
- [निर्गमन 3:1-3](#)
- भजन 106:19

#### बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **13:1** इस्राएलियों को लाल सागर पार कराने के बाद परमेश्वर उनको मरुस्थल से चलाता हुआ **सीनै** नाम के पहाड़ तक ले गया।
- **13:3** तीसरे दिन के बाद, जब लोगों ने अपने आप को आत्मिक रूप से तैयार कर लिया, तब परमेश्वर गर्जन और बिजलियों के चमकने, और धुएं और तुरही के ऊँचे शब्द के साथ **सीनै पर्वत** पर उतर आया।
- **13:11** कई दिनों तक मूसा **सीनै पर्वत** के ऊपर परमेश्वर से बात करता रहा।
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो परमेश्वर ने उनके साथ **सीनै पर्वत** पर बाँधी थी, कि वे उसका पालन करने के लिए बाध्य हैं।

#### शब्द तथ्य:

- Strong's: H2722, H5514, G3735, G4614

## सीरिया

#### तथ्य:

सीरिया इस्राएल के उत्तर पूर्व में है। नए नियम के समय, यह रोमन साम्राज्य के शासन के अधीन एक प्रांत था।

- पुराने नियम के समय में सीरिया इस्राएलियों का एक प्रबल सैन्य क्षत्रु था।
- नामान सीरिया की सेना का सेनापति था जिसे एलीशा ने कुष्ठ रोग से मुक्त किया था।
- सीरिया के अनेक निवासी अराम के वंशज थे, जो नूह के पुत्र शेम का वंशज था।
- दमिश्क, सीरिया की राजधानी का नाम है जिसकी चर्चा अनेक बार बाइबल में की गई है।
- शाऊल दमिश्क नगर में विश्वासियों को सताने की योजनाओं से गया था परन्तु यीशु ने उसे रोक दिया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, सेनापति, दमिश्क, वंशज, एलीशा, कुष्ठ रोग, नामान, सताना, भविष्यद्वक्ता)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 15:23](#)
- [प्रे.का. 15:41](#)
- [प्रे.का. 20:3](#)
- [गलातियों 1:21-24](#)
- [मत्ती. 4:23-25](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H0758, H0804, G49470, G49480

## सीलास

*तथ्य:*

सीलास यरूशलेम के मसीही विश्वासियों का अगुआ था।

- यरूशलेम की कलीसिया के प्राचीनों ने सीलास को पौलुस और बरनबास के साथ जाने के लिए नियुक्त किया कि अन्ताकिया के लिए पत्र ले जाए।
- आगे चलकर सीलास पौलुस के साथ अन्य नगरों में भी यीशु का प्रचार करने के लिए गया था।
- पौलुस और सीलास को फिलिप्पी नगर के बन्दीगृह में डाल दिया गया था। वहां वे परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे और परमेश्वर ने उन्हें बन्दीगृह से मुक्ति दिलाई। उनकी गवाही के परिणाम स्वरूप उस बन्दीगृह का अधीक्षक मसीही विश्वासी हो गया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अन्ताकिया, बरनबास, यरूशलेम, पौलुस, फिलिप्पी, बन्दीगृह, गवाही)

*बाइबल के सन्दर्भ:*

- [1 पतरस 5:12](#)
- [1 थिस्सलुनीकियों 1:1](#)
- [2 थिस्सलुनीकियों 1:1](#)
- [प्रे.का. 15:22](#)

*बाइबल की कहानियों के उदाहरण:*

- **47:1** एक दिन, पौलुस और उसका मित्र सिलास फिलिप्पी के शहर में यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाने के लिए गए।
- **47:2** वह (लुदिया) ने पौलुस और सिलास को अपने घर में रहने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए वे उसके और उसके साथ उसके परिवार में रहे।
- **47:3** पौलुस और सिलास प्रार्थना के स्थान पर प्रायः लोगों से भेंट करते रहते थे।
- **47:7** इसलिए उस दासी के स्वामियों पौलुस और सिलास को रोमी अधिकारियों के पास ले गए, जिन्होंने उन्हें मारा और उन्हें बंदीगृह में डाल दिया।
- **47:8** उन्होंने पौलुस और सिलास को जेल के सबसे सुरक्षित भाग में रखा और यहां तक कि उनके पैरों को भी बाँध दिया।
- **47:11** बंदीगृह का प्रभारी कांपते हुए पौलुस और सिलास के पास आया और पूछा, "मोक्ष पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?"
- **47:13** अगले दिन शहर के नेताओं ने पौलुस और सिलास को बंदीगृह से रिहा कर दिया और उन्हें फिलिप्पी नगर छोड़ने के लिए कहा। पौलुस और सिलास लुदिया और कुछ अन्य मित्रों से मिले और फिर शहर छोड़ दिया।

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: G4609, G4610

**सीहोन****सीहोन**

सीहोन एक व्यक्ति का नाम है जो हेशबोन की भूमि पर शासन करने वाला एक एमोरी राजा था।

- इस्राएलियों ने सीहोन और उसके लोगों और भूमि को जीत लिया।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एमोरी, हेशबोन)

*बाइबल संदर्भ:***शब्द सूची:**

- मजबूत का:

**सुक्कोत***परिभाषा:*

सुक्कोत पुराने नियम में दो नगरों का नाम था। सुक्कोत शब्द का अर्थ है "शरण स्थान"

- पहला सुक्कोत नगर यरदन नदी के पूर्व में था।
- याकूब अपने परिवार और पशुओं के साथ सुक्कोत में रुका जहां उसने अपने लिए झोपड़ियां बनाई थी।
- सैंकड़ों वर्ष बाद गिदोन और उसके योद्धा मिद्यानियों का पीछा करते हुए थककर सुक्कोत में रुके थे परन्तु वहां के निवासियों ने उन्हें भोजन देने से इन्कार कर दिया था।
- दूसरा सुक्कोत मिस्र की उत्तरी सीमा पर था जहां इस्राएली लाल सागर पार करने के बाद रुके थे, जब वे मिस्र से पलायन कर रहे थे।

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 07:46-47](#)
- [निर्गमन 12:37-40](#)
- [यहोशू 13:27-28](#)
- [न्यायियों 08:4-5](#)

#### शब्द तथ्य:

- Strong's: H5523, H5524

## सुलैमान

#### तथ्य:

सुलैमान दाऊद के पुत्रों में से एक था। उसकी माता बतशेबा थी।

- जब सुलैमान राजगद्दी पर बैठा तब परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। अतः सुलैमान ने अपनी प्रजा पर उचित प्रशासन करने के लिए बुद्धि मांगी थी। परमेश्वर सुलैमान की इस विनती से प्रसन्न हुआ और उसे बुद्धि और धन दोनों दिया।
- सुलैमान यरूशलेम के वैभवशाली मन्दिर को बनाने के लिए भी प्रसिद्ध है।
- सुलैमान ने आरम्भिक वर्षों में तो बड़ी बुद्धिमानी से राज किया परन्तु उत्तरकाल में उसने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह करके मूर्ति पूजा आरम्भ कर दी थी।
- सुलैमान के इस विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने उसके मृत्यु के बाद इस्राएल को दो राज्यों में विभाजित कर दिया, इस्राएल और यहूदा। ये दोनों राज्य प्रायः लड़ते रहते थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बतशेबा, दाऊद, इस्राएल, यहूदा, इस्राएल राज्य, मन्दिर)

*बाइबल के सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 7:47-50](#)
- [लूका 12:27](#)
- [मत्ती. 1:7-8](#)
- [मत्ती. 6:29](#)
- [मत्ती 12:42](#)

*बाइबल की कहानियों के उदाहरण:*

- **17:14** उसके बाद, दाऊद और बतशेबा का एक और पुत्र उत्पन्न हुआ उसका नाम उन्होंने **सुलैमान** रखा।
- **18:1** कई वर्षों बाद, जब दाऊद की मृत्यु हो गई, तब उसके पुत्र **सुलैमान** ने इस्राएल पर शासन करना आरंभ किया। परमेश्वर ने **सुलैमान** से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग।” जब **सुलैमान** ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान मनुष्य भी बनाया।
- **18:2** यरुशेलम में, **सुलैमान** ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए सामान एकत्र किया।
- **18:3** परन्तु **सुलैमान** अन्य देशों की महिलाओं से प्रेम करता था।...अतः जब **सुलैमान** बूढ़ा हुआ तब उसकी स्त्रियों ने उसका मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया।
- **18:4** तब परमेश्वर ने **सुलैमान** पर क्रोध किया, और **उसकी** अनिष्टा के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि **सुलैमान** की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देगा।

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H8010, G4672

**सुसमाचार प्रचारक***परिभाषा:*

“सुसमाचार प्रचारक” मनुष्यों को मसीह यीशु का सुसमाचार सुनाता है।

- “सुसमाचार प्रचारक” का मूल अर्थ है “शुभ सन्देश सुनानेवाला”।
- यीशु ने अपने चेलों को भेजा कि मनुष्यों में शुभ सन्देश प्रसारित करें कि यीशु और पाप के मोचन को उसके बलिदान द्वारा परमेश्वर के राज्य का भाग कैसे बनें।
- सब मसीही विश्वासियों से आग्रह किया जाता है कि इस शुभ सन्देश को सुनाए।
- कुछ विश्वासियों को विशेष आत्मिक वरदान प्राप्त है कि मनुष्यों में इस शुभ सन्देश का प्रभावी प्रचार करें। इन मनुष्यों के पास सुसमाचार प्रचार का वरदान है और इन्हें “सुसमाचार प्रचारक” कहते हैं।

*अनुवाद के सुझाव:*

- “सुसमाचार प्रचारक” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सुसमाचार सुनाने वाला” या “सुसमाचार का शिक्षक” या “सुसमाचार सुनानेवाला व्यक्ति(यीशु के बारे में)” या “शुभ समाचार घोषणा।”

(यह भी देखें: शुभ सन्देश, आत्मा, वरदान)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [2 तीमुथियुस 04:3-5](#)
- [इफिसियों 04:11-13](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: G2099

**सूअर***परिभाषा:*

सूअर एक चौपाया है जिसे मांसाहारी भोजन के लिए पाला जाता है। उसका मांस “पोर्क” कहलाता है। “शूकर” शब्द सामान्यतः सूअर की सम्पूर्ण प्रजाति के लिए काम लिया जाता है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए सूअर का मांस खाना वर्जित किया था वरन् उसे अशुद्ध ठहराया था। यहूदी आज भी इसे अशुद्ध मानते हैं और उसके मांस से घृणा करते हैं।
- सूअरों को पाल कर मांस के लिए बेचा जाता है।
- एक प्रकार की सूअर प्रजाती जंगल में रहती है, उसे “जंगली सूअर” कहते हैं। जंगली सूअर के दांत बड़े होते हैं, और वह बहुत खतरनाक होता है।

बड़े सूअरों को “शूकर” कहा जाता है।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: शुद्ध)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [2 पतरस 2:22](#)
- [मरकुस 5:13](#)
- [मत्ती 7:6](#)
- [मत्ती 8:32](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H2386, G55190

## सूबेदार

*परिभाषा:*

सूबेदार रोमी सेना का अधिकारी था जिसके अधीन सौ सैनिक होते थे।

- इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “सौ पुरुषों का अगुआ” या “सैनिक अगुआ” या “सौ का प्रभारी अधिकारी”।
- एक रोमी सूबेदार यीशु के पास याचना लेकर आया था कि वह उसके सेवक को चंगा करे।
- यीशु के क्रूसीकरण का कर्ताधर्ता सूबेदार यीशु की मृत्यु को देखकर आश्चर्यचकित हो गया था।
- परमेश्वर ने एक सूबेदार को पतरस के पास भेजा कि पतरस उसे यीशु का सुसमाचार सुनाए।

(यह भी देखें: रोम)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 10:1](#)
- [प्रे.का. 27:1](#)
- [प्रे.का. 27:42-44](#)
- [लूका 7:4](#)
- [लूका 23:47](#)
- [मरकुस 15:39](#)
- [मत्ती 8:7](#)
- [मत्ती 27:54](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: G15430, G27600

## सृजन करना

*परिभाषा:*

“सृजन” शब्द का अर्थ है, रचना करना या किसी वास्तु को अस्तित्व में लाने का कारण होना। जो कुछ सृजा गया उसे “सृष्टि” कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

- जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
- जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
- कभी-कभी “रचना” शब्द का उपयोग किसी अवस्तुगत के वर्णन के लिए लाक्षणिक भाषा में किया जाता है, जैसे “शान्ति बनाना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
- “सृष्टि” शब्द का सन्दर्भ जगत के आदिकाल से हो सकता है जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया था। इसका उपयोग सामान्य रूप में परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए किया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
- “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात् “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
- समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने आदिकाल में जगत की रचना की थी” या “जब जगत को पहली बार बनाया गया।”
- “सारी सृष्टि के लोगों में” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात् “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
- “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात् “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
- प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
- “सृजनहार” का अनुवाद हो सकता है, “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।

- “तेरा सृजनहार” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया”

(यह भी देखें: परमेश्वर, शुभ सन्देश, संसार)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 कुरिन्थियों 11:9-10](#)
- [1 पतरस 4:17-19](#)
- [कुलुस्सियों 1: 15](#)
- [गलातियों 6:15](#)
- [उत्पत्ति 1:1](#)
- [उत्पत्ति 14:19-20](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

## सृजनहार

*तथ्य:*

सामान्यतः “सृजनहार” वस्तुओं का बनानेवाला या निर्माण करने वाला होता है।

- बाइबल में “सृजनहार” कभी-कभी यहोवा के नाम या आदि स्वरूप काम में लिया जाता है क्योंकि उसने सब कुछ बनाया है।
- यह शब्द प्रायः “उसका” या “मेरा” या “तेरा” शब्दों के साथ जुड़ा होता है।

*अनुवाद के सुझाव:*

- “सृजनहार” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “सृष्टिकर्ता” या “रचनेवाला परमेश्वर” या “जिसने सब कुछ बनाया”।
- “उसका सृजनहार” इसका अनुवाद हो सकता है, “जिसने उसे रचा” या “परमेश्वर जिसने उसे बनाया”।
- “तेरा सृजनहार” और “मेरा सृजनहार” इन उक्तियों का भी अनुवाद इसी प्रकार किया जा सकता है।

(यह भी देखें: नाम कैसे अनुवादित करें)

(यह भी देखें: सर्जन करना, यहोवा)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [होशे 08:13-14](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H2796, H3335, H6213, H6466, H6467, G1217

## सेईर

### सेईर, सेईर के पुत्र, सेईर पर्वत, सेईर के पहाड़ी, सेईर की भूमि

*तथ्य:*

सेईर एक व्यक्ति का नाम है जो एसाव का वंशज था। बाइबल सेईर के वंशजों को “सेईर के पुत्र” कहती है।

- बाइबल क्षेत्र में जहाँ सेईर के वंशज रहते थे, उसे कभी-कभी “सेईर की भूमि” और कभी-कभी “सेईर” कहा जाता है।
- बाइबल एदोम में एक पर्वत श्रृंखला को “सेईर के पहाड़” कहती है।
- बाइबल यहूदा की भूमि में एक पहाड़ को “पहाड़ सेईर” कहती है।
- संदर्भ और/या संशोधित करने वाला वचन या शब्द यह संकेत देंगे कि “सेईर” व्यक्ति, उसके वंशज, सेईर की भूमि, सेईर पर्वत, या उस नाम की पर्वत श्रृंखला को संदर्भित करता है।
- 2 इतिहास 25:11,14 में “सेईर के पुत्र” वाक्यांश एदोमियों को संदर्भित करता है और यह वचन यहजेकेल 25:8 में भी एदोमियों को संदर्भित करता है।
- बाइबल में “सेईर” शब्द का उपयोग कभी-कभी “एदोम” के समान अर्थ में किया जाता है।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एदोम)

**बाइबल संदर्भ:****शब्द सूची:****सेनाओं का यहोवा****परिभाषा:**

- “सेनाओं का यहोवा” और “सेनाओं का परमेश्वर” ये पदनाम हजारों स्वर्गदूतों पर परमेश्वर के अधिकार को दर्शाते हैं जो उसकी आज्ञा का पालन करते हैं।
- “सेना” या “सेनाओं” ये शब्द किसी भी बात की बड़ी संख्या को व्यक्त करते हैं जैसे सेना या सितारों की विशाल संख्या। यह बुरी आत्माओं सहित सभी कई आत्माओं के संदर्भ में भी है। संदर्भ यह स्पष्ट करता है कि क्या संदर्भित किया जा रहा है। “स्वर्ग की सेना” सितारों, ग्रहों और अन्य आकाशीय पिण्डों के लिए काम में लिए जाते हैं।
- नए नियम में, वाक्यांश, “सेनाओं का प्रभु” का अर्थ “सेनाओं का यहोवा” के समान है, लेकिन इसका इस तरह से अनुवाद नहीं किया जा सकता है क्योंकि “यहोवा” इब्रानी शब्द है नए नियम में प्रयोग नहीं किया गया है।

**अनुवाद के लिए सुझाव:**

- “सेनाओं का यहोवा” के अनुवाद हो सकते हैं, “स्वर्गदूतों पर राज करने वाला परमेश्वर” या “स्वर्गदूतों की सेनाओं पर राज करने वाला परमेश्वर” या “यहोवा जो स्वर्गदूतों पर राज करता है।”
- “सेनाओं का” “सेनाओं का परमेश्वर” या “सेनाओं का प्रभु” के संदर्भ में इसका अनुवाद, वैसा ही किया जाए जैसा ऊपर “सेनाओं का यहोवा” किया गया है।
- कुछ कलीसियाओं में “यहोवा” शब्द को स्वीकार नहीं किया जाता है। वे “सेनाओं का प्रभु” काम में लेते हैं जिसमें प्रभु शब्द को बड़े अक्षरों में लिखा जाता है। यह अनेक बाइबल संस्कारों के अनुसार है। इन कलीसियाओं के लिए “सेनाओं का यहोवा” का अनुवाद पुराने नियम में “सेनाओं का यहोवा” को काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, अधिकार, परमेश्वर, प्रभु, प्रभु, प्रभु यहोवा, यहोवा)

**बाइबल संदर्भ:**

- [जकर्याह 13:2](#)

**शब्द तथ्य:**

- स्ट्रोंग्स: H430, H3068, H6635

**सेनापति****परिभाषा:**

“सेनापति” शब्द सेना के प्रमुख को संदर्भित करता है, जो सैनिकों के दल का नेतृत्व करने और आदेश देने के लिए उत्तरदायी होता है।

- सेनापति, सैनिकों के एक छोटे दल का या एक बड़े दल का प्रमुख हो सकता है, जैसे कि एक हजार पुरुष का दल।
- यह शब्द यहोवा के संदर्भ में भी उपयोग होता है कि वह स्वर्गदूतों की सेना का प्रमुख है।

सेनापति के अन्य अनुवाद रूप हैं “अगुआ” या “कप्तान” या “अधिकारी”

- सेना को “आदेश देना” के अनुवाद हो सकते हैं, “अगुआई करना” या “प्रभारी होना।”

(यह भी देखें: आदेश, अधिपतियों, सूबेदार)

**बाइबल संदर्भ:**

- [1 इतिहास 11:4-6](#)
- [2 इतिहास 11:11-12](#)
- [दानियेल 2:14](#)
- [मरकुस 6:21-22](#)
- [नीतिवचन 6:7](#)

**शब्द तथ्य:**

- स्ट्रोंग्स: H2710, H2951, H1169, H4929, H5057, H6346, H7101, H7262, H7218, H7227, H7229, H7990, H8269, G55060

**सेराफिम****सेराफिम, सेराफों**

“सेराफिम” और “सेराफों” शब्द “सेराफ” के बहुवचन रूप हैं। “सेराफिम” शब्द का अर्थ “जलते हुए” या “अग्निमय” होता है। बाइबल में सेराफिम को स्वर्गीय प्राणी बताया गया है जो उड़ सकता है, जिसके छः पंख होते हैं और जो बोल भी सकता है।

- सेराफिम परमेश्वर की महिमा और शक्ति को प्रदर्शित करते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं।
- सेराफिम को स्वर्गदूत माना जा सकता है, लेकिन बाइबल इसे स्पष्ट रूप से नहीं कहती है।

**अनुवाद सुझाव:**

- शब्द “सेराफिम” का अनुवाद “पंख वाले प्राणी” या “पंख वाले स्वर्गीय प्राणी” या “पवित्र, पंख वाले प्राणी” के रूप में किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “स्वर्गदूत” के अनुवाद से अलग है।
- यह भी विचार करें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में बाइबल अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद या लेखन कैसे किया गया है। (देखें: अज्ञातों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: स्वर्गदूत)

**बाइबल संदर्भ:****शब्द सूची:**

- स्ट्रोंग्स:

**सेला****परिभाषा:**

“सेला” इब्रानी भाषा का एक शब्द है जो ज्यादातर भजन संहिता में देखा जा सकता है। इसके अनेक संभावित अर्थ हैं।

- इसका अर्थ हो सकता है “ठहरो और स्तुति करो” इसके द्वारा श्रोताओं का आह्वान किया जाता है कि वे उच्चारित शब्दों पर मनन करें।
- अधिकांश भजन संहिता राग में लिखे गए थे, ऐसा माना जाता है कि “सेला शब्द संभवतः संगीत का कोई शब्द रहा होगा जिससे गायक को रूकने का संकेत दिया जाता था कि केवल वाद्य बजाए जाए या श्रोताओं को प्रोत्साहित किया जाता था कि भजन के शब्दों पर विचार करें।

(यह भी देखें: भजन)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- भजन संहिता 003:3-4
- भजन संहिता 024:5-6
- भजन संहिता 046:6-7

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H5542

## सेवक

*परिभाषा:*

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

- सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, “सेवक” या “परिचारक.”
- आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
- उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
- “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: सेवक, सेवक)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 तीमुथियुस 03:10](#)
- [1 तीमुथियुस 03:13](#)
- [फिलिप्पियों 01:01](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: G1249

## सेवा करना

*परिभाषा:*

“सेवा करना” अर्थात् किसी से स्वामी की या राज करने वाले देश की सेवा कराना। “दास बनाया जाना” या “बन्धुआई में होना” अर्थात् किसी बात को या किसी व्यक्ति के वश में होना।

- दासत्व में या बन्धुआई में होने वाला मनुष्य बिना मजदूरी किसी की सेवा करनी होती है, वह अपनी इच्छा से कुछ नहीं कर सकता है। “बन्धुआई में होना” का अन्य शब्द “दासत्व” है।
- नए नियम में मनुष्य को पाप के “दासत्व” में कहा है जब तक कि यीशु उन्हें उसके नियंत्रण एवं सामर्थ्य से मुक्त न कराए। जब एक व्यक्ति मसीह में नया जीवन पाता है तब वह पाप का दास नहीं रहता है और वह धार्मिकता का दास हो जाता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

- “दास बनाना” का अनुवाद “स्वतंत्र नहीं रहने देना” या “अन्यों की सेवा करने के लिए विवश किया जाना” या “अन्य किसी के वश में कर देना”।
- “दासत्व में” या “बन्धुआई में” का अनुवाद “दास होने के लिए विवश किया जाना” या “सेवा करने के लिए मजबूर” या “किसी के वश में होना”।

(यह भी देखें: स्वतंत्र, धर्मीजन, सेवक)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [गलातियों 04:3](#)
- [गलातियों 04:24-25](#)
- [उत्पत्ति 15:13](#)
- [यिर्मयाह 30:8-9](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रॉंग्स: H3533, H5647, G1398, G1402, G2615

## सेवा करना

#### परिभाषा:

बाइबल में “सेवकाई” शब्द का संदर्भ मनुष्यों को परमेश्वर के बारे में शिक्षा देना और उनकी आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेने से था।

- पुराने नियम में याजक मन्दिर में चढ़ावे चढ़ाकर परमेश्वर की “सेवा” करते थे।
- उनकी “सेवकाई” में मन्दिर की देखरेख और मनुष्यों की ओर से परमेश्वर के लिए प्रार्थनाएं चढ़ाना भी होता था।
- मनुष्यों की “सेवा” के कार्य में परमेश्वर के बारे में शिक्षा देते उनकी उनकी आत्मिक सेवा करना भी था।
- इसका संदर्भ उनकी सांसारिक सेवा से भी हो सकता था, जैसे रोगियों की सुधि लेना और गरीबों को भोजन देना।

#### अनुवाद के सुझाव:

- मनुष्यों की सेवा के संदर्भ में “सेवा करना” का अनुवाद “परिचर्या” या “सुधि लेना” या “आवश्यकताएं पूरी करना” भी हो सकता है।
- जब मन्दिर में सेवा का संदर्भ हो तो “सेवक” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “मन्दिर में परमेश्वर की सेवा करना” या “मनुष्यों के लिए परमेश्वर के समक्ष बलि चढ़ाना।”
- परमेश्वर की सेवा के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “सेवा करना” या “परमेश्वर के लिए काम करना.” हो सकता है।
- “सेवा की” का अनुवाद हो सकता है, “सुधि ली” या “प्रावधान किया” या “सहायता की.”

(यह भी देखें: सेवा करना, बलिदान)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 20:23-26](#)
- [प्रे.का. 06:04](#)
- [प्रे.का. 21:17-19](#)

#### शब्द तथ्य:

- Strong's: H6399, H8120, H8334, H8335, G1247, G1248, G1249, G2023, G2038, G2418, G3008, G3009, G3010, G3011, G3930, G5256, G5257, G5524

## सेवा करना

### परिभाषा:

"सेवा" शब्द का अर्थ सामान्यतः काम करना, और अवधारणा को विभिन्न प्रकार के संदर्भों में लागू किया जा सकता है। यह शब्द एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए काम करता है (या पालन करता है), या तो अपनी इच्छा से या बलपूर्वक। बाइबल में, निम्नलिखित लोगों में से किसी को "दासः" एक दास एक युवा महिला कार्यकर्ता, एक युवा पुरुष कार्यकर्ता को कहा जा सकता है, जो परमेश्वर और अन्यो का पालन करता हो। बाइबल के युग में दास और सेवक में अधिक अन्तर नहीं था जैसा आज समझा जाता है। सेवक और दास दोनों ही अपने स्वामी के घराने के महत्वपूर्ण सदस्य होते थे और अधिकतर परिवार के सदस्य ही माने जाते थे। कभी-कभी सेवक अपने स्वामी के अजीवन सेवक स्वैच्छा से बनना चाहते थे।

- दास एक ऐसा सेवक होता था जो अपने स्वामी की सम्पदा होता था। जो दास को खरीदता था वह उसका "स्वामी" कहलाता था। कुछ स्वामी अपने दासों के साथ निर्दयता का व्यवहार करते थे परन्तु कुछ स्वामी अपने दासों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते थे जैसे वे परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हों।
- प्राचीन युग में कुछ लोग किसी के ऋणी होने के कारण स्वैच्छा से उसके दास बन जाते थे कि लिया हुआ उधार चुका सकें।
- मेहमानों की सेवा करने वाले व्यक्ति के संदर्भ में, इस शब्द का अर्थ है "देखभाल करना" या "भोजन परोसना" या "भोजन प्रदान करना।" जब यीशु ने चेलों को लोगों को मछली "परोसने" के लिए कहा, तो इसका अनुवाद "वितरित" या "बांटने" या "देना" हो सकता है।
- बाइबल में व्यक्त एक उक्ति "तेरा दास" का उपयोग किसी अधिकार संपन्न व्यक्ति जैसे राजा के लिए सम्मान प्रकट करने हेतु किया जाता था। इसका अर्थ यह नहीं कि कहने वाला वास्तव में उसका दास था।
- संदर्भ के आधार पर "सेवा" शब्द का अनुवाद "सेवक को" या "के लिए कार्य करना" या "की देखभाल करना" या "पालन" के रूप में भी किया जा सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं तथा आराधकों को प्रायः उसका "दास" कहा जाता था।
- "परमेश्वर की सेवा करने के लिए" का अनुवाद "परमेश्वर की आराधना और आज्ञा का पालन" करने के लिए किया जा सकता है या "उस कार्य को करना जिसे परमेश्वर ने आज्ञा दी हो।"
- नये नियम में मसीह में विश्वास करके परमेश्वर की आज्ञा माननेवालों को प्रायः उसके सेवक कहा जाता था।
- "मेज़ पर परोसा" का अर्थ है उन लोगों को भोजन पहुंचाना जो मेज़ पर बैठे हैं, या अधिक सामान्यतः पर "भोजन वितरित" करते हैं।

- जो लोग दूसरों को परमेश्वर के बारे में सिखाते हैं, उन्हें कहा जाता है कि वे परमेश्वर और जिन्हें वे शिक्षा दे रहे हैं, दोनों की सेवा करें।
- प्रेरित पौलुस ने कुरिन्थुस के मसीहियों को लिखा कि वे किस तरह से पुरानी वाचा को "सेवा" करते थे। यह मूसा की व्यवस्था का पालन करने के लिए संदर्भित करता है। अब वे नई वाचा की "सेवा" करते हैं। यह यीशु के क्रूस पर बलिदान के कारण, उनके विश्वासियों को पवित्र आत्मा द्वारा परमेश्वर को प्रसन्न करने और पवित्र जीवन जीने के लिए सक्षम किया जाता है।
- पौलुस उनकी "सेवा" के संदर्भ में और कार्यों के बारे में पुरानी या नई वाचा में बात करता है। इसका अनुवाद "सेवा करना" या "पालन करना" या "भक्ति करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: प्रतिबद्ध, दास बनाना, घराना, प्रभु, आज्ञाकारी, धर्मी, वाचा, व्यवस्था,)

*बाइबल संदर्भ:*

- [प्रेरि. 04:29-31](#)
- [प्रेरि. 10:7-8](#)
- [कुलु. 01:7-8](#)
- [कुलु. 03:22-25](#)
- [उत्प. 21:10-11](#)
- [लूका 12:47-48](#)
- [मरकुस 09:33-35](#)
- [मत्ती 10:24-25](#)
- [मत्ती 13:27-28](#)
- [2 तीमुथियुस 02:3-5](#)
- [प्रेरि. 06:2-4](#)
- [उत्प. 25:23](#)
- [लूका 04:8](#)
- [लूका 12:37-38](#)
- [लूका 22:26-27](#)
- [मरकुस 08:7-10](#)
- [मत्ती 04:10-11](#)
- [मत्ती 06:24](#)

*बाइबल कहानियों के उदाहरण:*

- **06:01** जब अब्राहम बहुत वृद्ध था और उसका पुत्र, इसहाक, एक आदमी हो गया था, अब्राहम ने अपने **दासों** में से एक को कुटुम्बियों के पास भेजा की वे उसके पुत्र, इसहाक के लिए एक पत्नी ले आये।
- **08:04** **दास** व्यापारियों ने यूसुफ को एक **दास** के रूप में एक धनी सरकारी अधिकारी को बेचा।
- **09:13** "मैं(परमेश्वर) तुझे(मूसा) फ़िरौन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र के **दासत्व** से निकाल ले आए।"
- **19:10** फिर एलिय्याह ने प्रार्थना की, "हे अब्राहम, इसहाक और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा! आज यह प्रगट कर कि इस्राएल में तू ही परमेश्वर है, और मैं तेरा **दास** हूँ,

- **29:03** "जबकि चुकाने को **दास** के पास कुछ न था, तो उसके स्वामी ने कहा, '**यह (दास)** और इसकी पत्नी और बाल-बच्चे और जो कुछ इसका है सब बेचा जाए, और कर्ज चुका दिया जाए।'"
- **35:06** "मेरे पिता के कितने ही **मजदूरों** को भोजन से अधिक रोटी मिलती है, और मैं यहाँ भूखा मर रहा हूँ।"
- **47:04** **दासी** पीछे आकर चिल्लाने लगी, "ये मनुष्य परमप्रधान परमेश्वर के दास हैं, जो हमें उद्धार के मार्ग की कथा सुनाते हैं।"
- **50:04** यीशु ने यह भी कहा, " **दास** अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता"

#### शब्द तथ्य:

- (दास) स्ट्रॉंग्स : H5288, H5647, H5649, H5650, H5657, H79198, H8198, H8334, G1249, G1401, G1012, G2324, G3407, G3411, G3610, G3816, G4916, G5252525
- (सेवा) H327, H3547, H4929, H4931, H5647, H5656, H5673, H5975, H6213, H6399, H6402, H6440, H6633, H6635, H7272, H8104, H8120, H8120, H8998, H8278, H8658 G1402, G1438, G1983, G2064, G2212, G2323, G2999, G3000, G3009, G4337, G4342, G4754, G5087, G5256

## सैनिक

#### तथ्य:

"योद्धा" और "सैनिक" दोनों शब्द सेना में युद्ध करनेवाले मनुष्य के संदर्भ में हैं। परन्तु इनमें कुछ अन्तर है।

- "योद्धा" एक सामान्य एवं व्यापक शब्द है जो युद्ध में निपुण एवं साहसी मनुष्य के संदर्भ में होता है।
- यहोवा को प्रतीकात्मक रूप में "योद्धा" कहा गया है।
- "सैनिक" शब्द विशेष करके उस मनुष्य के संदर्भ में होता है जो किसी सेना में सेवारत है या युद्ध में लड़ रहा है।
- यरूशलेम में रोमी सैनिक व्यवस्था बनाए रखने और बन्दियों को मृत्युदण्ड देने जैसे उत्तरदायित्वों के निर्वाह हेतु नियुक्त किए गए थे। वे यीशु के कूसीकरण से पूर्व उसकी चौकसी में थे और कुछ को उसकी कब्र पर चौकसी करने के लिए भी रखा गया था।
- अनुवादक को ध्यान देना है कि उसकी भाषा में "योद्धा" और "सैनिक" के लिए दो अलग-अलग शब्द हैं, जिनका अर्थ और उपयोग भी अलग अलग है।

(यह भी देखें: साहस, क्रूस पर चढ़ाना, रोम, कब्र)

#### बाइबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 21:5](#)
- [प्रे.का. 21:33](#)
- [लूका 3:14](#)
- [लूका 23:11](#)
- [मत्ती. 8:8-10](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रॉंग्स: , H352, H510, H1368, H1416, H1995, H2389, H2428, H2502, H3715, H4421, H5971, H6518, H6635, H7273, H7916, G4686, G4753, G4754, G4757, G4758, G4961

## सोअर

#### तथ्य:

परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट किया तो लूत एक छोटे नगर सोअर में जा बसा था।

- इस नगर का नाम “बेला” था परन्तु जब लूत ने परमेश्वर से उस नगर को बचाए रखने की विनती की थी तब उसका नाम सोअर पड़ा था।
- माना जाता है कि सोअर नगर यरदन नदी के मैदानी क्षेत्र में था या मृत-सागर के पश्चिमी सिरे पर था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: लूत, सदोम, अमोरा)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [व्यवस्थाविवरण 34:1-3](#)
- [उत्पत्ति 13:10-11](#)
- [उत्पत्ति 14:1-2](#)
- [उत्पत्ति 19:21-22](#)
- [उत्पत्ति 19:23-25](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H6820

## सोता

*परिभाषा:*

“सोता” और “झरना” अर्थात् भूमि से निकल कर बहुतायत से बहनेवाला पानी।

- बाइबल में इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है कि परमेश्वर से निकलने वाली आशीषों का संदर्भ दे या स्वच्छ करने वाली या पवित्र करनेवाली वस्तु का संदर्भ दे।
- आज सोता मनुष्य के द्वारा निर्मित वस्तु होती है जिसमें पानी का प्रवाह होता है, जैसे पीने के पानी का सोता। सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद प्राकृतिक जल स्रोत को व्यक्त करे।
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना “जल प्रलय” के अनुवाद से करें।

(यह भी देखें: जल-प्रलय)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [2 पतरस 2:17](#)
- [उत्पत्ति 7:11](#)
- [उत्पत्ति 8:2](#)
- [उत्पत्ति 24:13](#)
- [उत्पत्ति 24:42](#)
- [याकूब 3:11](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H953, H1530, H1543, H3222, H4002, H4161, H4456, H4599, H4726, H5033, H5869, H5927, H6524, H6779, H8444, H8666, G242, G4077

## सोना

*परिभाषा:*

सोना पीले रंग की उत्तम धातु है जिससे आभूषण तथा धार्मिक वस्तुएं बनाई जाती थीं। प्राचीन युग में यह सबसे अधिक मूल्यवान धातु थी।

- बाइबल के युग में, ठोस सोने की विभिन्न वस्तुएं बनाई जाती थीं या वस्तुओं पर सोना चढ़ाया जाता था।
- इन वस्तुओं में थे, कुन्दन तथा अन्य आभूषण, मूर्तियां, वेदियां, तथा निवास (मण्डप) या मन्दिर की अन्य वस्तुएं जैसे वाचा का सन्दूक।
- पुराने नियम के युग में सोना क्रय-विक्रय में मुद्रा स्वरूप काम में आता था। उसे तराजू में तोल कर उसका मूल्य ज्ञात किया जाता था।
- उत्तरकाल में सोने और चाँदी के सिक्के क्रय-विक्रय में काम में आने लगे।
- जब किसी ऐसी वस्तु की चर्चा हो जो ठोस सोने की नहीं है उस पर केवल सोना चढ़ा हुआ है तो “सुनहरा” या “सोना चढ़ा” या “स्वर्ण आवृत” अनुवाद किया जा सकता है।
- कभी-कभी किसी वस्तु को “सुनहरा” कहा जाता है, अर्थात् उसका रंग सोने जैसा है परन्तु यथार्थ में सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: वेदी, वाचा का सन्दूक, झूठे देवता, चाँदी, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [1 पतरस 01:07](#)
- [1 तीमथियुस 02:8-10](#)
- [2 इतिहास 01:15](#)
- [प्रे.का. 03:06](#)
- [दानियेल 02:32](#)

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H1220, H1722, H2091, H2742, H3800, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

## सोर

*तथ्य:*

सोर नगर भूमध्यसागरके तट पर बसा एक प्राचीन कनानी नगर था जो आज लबानोन का एक भाग है। इस नगर के लोगों को "सोर के लोग" कहा जाता था।

- इस नगर का एक भाग मुख्य भूभाग से एक किलोमेटे दूर एक द्वीप पर भी बसा हुआ था।
- उसकी भौगोलिक स्थिति और मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों जैसे देवदार वृक्षों के कारण, सोर का व्यापारिक उद्योग समृद्धि पर था और वह एक धनवान नगर था।
- सोर के राजा हीराम ने राजा दाऊद के लिए महल बनाने में देवदार वृक्षों की लकड़ी और कुशल श्रमिकों को भेजा था।
- वर्षों बाद, हीराम ने मंदिर बनाने में मदद करने के लिए राजा सुलैमान के पास लकड़ी और कुशल श्रमिकों को भेजा। सुलैमान ने उन्हें बड़ी मात्रा में गेहूं और जैतून का तेल दिया।
- सोर का नाम प्रायः निकटवर्ती प्राचीन सैदा (सीदोन) नगर के साथ आता है। ये दो नगर कनान के क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण शहर थे, जिन्हें फिनीके कहा जाता था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, देवदारू, इस्राएल, सागर, फिनीके, सैदा)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- [प्रे.का. 12:20](#)
- [मरकुस 3:7-8](#)
- [मत्ती 11:22](#)
- [मत्ती 15:22](#)

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H6865, H6876, G51830, G51840